

ज्यादा काम लिया जा रहा है उसका नतीजा यह हो रहा है कि एक बटे दो कागज यानी करीब करीब प्राधा कागज खराब होता है। इसलिए मैं जानना चाहता हूँ कि मन्त्री महोदय इस बरबादी और फिजूल खर्ची का और विदेशी मुद्रा को जो प्रपञ्च्य हो रहा है उसको रोकने के लिए क्या इन्तिजाम कर रहे हैं ?

श्री ब० रा० भगत : माननीय सदस्य ने कहा कि पहले एक बटे 16 कागज खराब जाता था, अब करीब प्राधा खराब जाता है। पर अभी जो रिपोर्ट प्रायी है...

श्री मधु लिमये : प्राप मेरे साथ नासिक चलिए।

श्री ब० रा० भगत : माननीय सदस्य ने बताया कि पहले एक बटे 16 कागज खराब होता था, पर मेरे पास जो रिपोर्ट प्रायी है उससे पता चलता है कि करीब एक बटे 20 या एक बटे 22 कागज ही अब खराब होता है। इसका मतलब तो यह हुआ कि स्थिति पहले से अच्छी है। (Interruptions.)

श्री यशपाल सिंह : क्या इस कमी को दूर करने के लिए बीस और पचास रुपये के नोट जारी करने का विचार है ?

प्रध्पक्ष महोदय : यह कागज का मवाल है।

Repairs and White Washing of Government Buildings

+

*306. Shri Yashpal Singh:
Shri Kapur Singh:
Shri Balakrishnan:

Will the Minister of Works and Housing be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have decided that the repairs and white washing of Government buildings should be stopped forthwith; and

1803 (A) LSD—2

(b) if so, the amount likely to be saved as a result thereof?

The Minister of Works and Housing (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). As a measure of economy, it has been decided to suspend works of ordinary annual maintenance like whitewashing, repainting, repairs and additions and alterations. Essential repairs will, however, be carried out with the approval of the competent authority. It will not be possible to have an idea of the amount of savings on account of suspension of these works till the end of the financial year.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार यह बतला सकती है कि इस तरह की पुनर्दा और मरम्मत को रोक कर सरकार कितने लाख रुपया बचाएगी और वहां जो कूड़े के ढेर जमा हो जाएंगे वे कितने रुपए में सरकार बेच सकेगी ?

प्रध्पक्ष महोदय : उन्होंने बताया कि यह साल के प्राखिर में बताएंगे।

श्री यशपाल सिंह : क्या इस निर्णय पर पहुंचने से पहले सरकार ने इस बात पर गौर किया था कि कुछ एक लाख रुपया बचाने के लिए करोड़ों रुपए का नुकसान हो जाएगा ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं तो समझता हूँ कि इस इमरजेंसी में माननीय सदस्य मेरी दाद देंगे कि मैं कुछ बचन कर रहा हूँ। यह तो उल्टी चीज दिखायी देती है। मैं यह धर्म कर दूँ कि जहां मकान गिरने है या तकलीफ है...

प्रध्पक्ष महोदय : उनका कहना यही है कि यह फाल्स इकानमी होगी क्योंकि फिर जो खर्च करना पड़ेगा वह ज्यादा होगा।

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह फाल्स इकानमी नहीं है। मैंने प्रापीन की है। जिसकी मर्जी है माने, जिसकी मर्जी नहीं है न माने। हम उनको हुकम नहीं दे रहे हैं।

श्री यशपाल सिंह : मेरे सवाल का जवाब रह गया ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने जवाब दिया कि साल के आखिर तक पता लग जाएगा, आपने सुना नहीं ।

Shri S. M. Banerjee: I am happy that Government has realised....

Mr. Speaker: I would request the hon. Members to avoid those expressions or references which are not required to make the question intelligible....

Shri Hem Barua: You advise Members to avoid happiness also, Sir.

Shri S. M. Banerjee: I am only happy that the Government is trying to avoid white-washing in the interest of economy. I want to know whether instructions had been issued to see that the houses are at least cleaned if not white-washed?

Shri Mehr Chand Khanna: It is not my duty to clean the houses. My duty is to give them a proper shape and if the house of the hon. Member needs a little bit of white washing it shall be done.

श्री विश्राम प्रसाद : एक तरफ तो सरकार कहती है कि इकानमी की वजह से पुर्तई नहीं होगी और दूसरी तरफ बड़ी बड़ी इमारतें गिराकर नए सिरे से बनायी जा रही है । मैं मन्त्री महोदय से कहना चाहता हूँ कि इससे क्या बचता नहीं है ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : इस पर क्यों नाराजगी हो रही है, अगर कुछ बचत हो सकती है तो बचत क्यों न की जाए । जहाँ तक बिल्डिंग्स का सवाल है, फाइनेन्स मिनिस्टर ने मेरा बजट बहुत काट दिया है ।

श्री काशी राम गुप्त : यह व्हाइट वाशिंग का प्रश्न स्वास्थ्य से भी सम्बन्ध रखता है । क्या मन्त्री महोदय ने स्वास्थ्य मन्त्री महोदयों से इस बात की जानकारी कर ली है कि इस इकानामी से नुकसान तो नहीं होगा ?

अध्यक्ष महोदय : वह इस वक्त चर्चा नहीं है यहाँ से, इसलिए यह मामला अभी तै नहीं हो सकता ।

Shri Jashvant Mehta: As a measure of economy government has taken decision not to whitewash and repair buildings. But between the Parliament House and the North Avenue the government is demolishing the Government offices and this decision has been taken at the highest level; Circulars have been issued that new building construction should be taken. Will the Housing Minister clarify the decision to demolish those buildings now?

Shri Mehr Chand Khanna: I am only demolishing those barracks which have outlived their life and are a danger to the inhabitants.... (Interruptions.) May I answer, Sir? They ask questions and are not ready to hear the replies. As far as White-washing and other things are concerned, if we find that health conditions require that, proper attention shall be paid.

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: What is it that the hon. Minister has in mind which needs urgent white-washing so that the government buildings are safe?

Mr. Speaker: Next question.

Foreign Exchange Position

+

*307. **Shri S. M. Banerjee:**
Shri P. C. Borooah:
Shri Hem Raj:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether the foreign exchange position has since improved;

(b) if so, how it compares with the last year; and

(c) the further steps taken and proposed to be taken to improve the position?

The Minister of Planning (Shri B. B. Bhagat): (a) No, Sir.

(b) To take one indicator of the foreign exchange situation, viz., the